जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 221 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 5 मार्च, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

शोधकर्ताओं ने हाल ही में, घाना के सबसे बड़े संरक्षित क्षेत्र, मोल नैशनल पार्क में गंभीर रुप से संकटग्रस्त वल्चर (गिद्ध) की तीन प्रजातियों की खोज की है, जिन्होंने पार्क में घोंसला बनाया हुआ है। पार्क में हुडेड वल्चर्स (नैक्रोसिटीस मॉनैकस) को पहली बार वैज्ञानिकों ने घोंसले के साथ देखा है। तथापि, बाकी दो प्रजातियाँ, वाइट बैक्ड वल्चर्स (जिप्स ऐफ्रिकैनस) और वाइट हैडेड वल्चर्स (ट्राइगोनोसैप्स ऑक्सिपिटालिस) देश में कहीं भी, पहली बार घोंसले के साथ नज़र आई हैं। द जर्नल ऑफ रैप्टर रिसर्च में प्रकाशित इस खोज के सह लेखक, निको आर्सीजा ने कहा, ''मोल नैशनल पार्क में, गंभीर रुप से संकटग्रस्त अफ्रीकी वल्चर प्रजाति की चार में से तीन प्रजातियों का मिलना यह दर्शाता है कि, इन संरक्षण क्षेत्रों को सपोर्ट करना कितना महत्वपूर्ण है।'' शोधकर्ताओं का कहना है कि, घाना में मोल नैशनल पार्क इन प्रजातियों के लिए अंतिम संरक्षित क्षेत्र हो सकता है। उन्होंने कहा कि, ''हमारे पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि, घाना में और कहीं भी इनकी उपस्थिति है। उम्मीद है कि, घाना में कुछ और क्षेत्र होंगे जहाँ ये पक्षी रहते हैं, परंतु ये नज़र नहीं आए हैं।'' वर्ष 2020 और 2022 के बीच शोधकर्ताओं ने 31 दिनों तक ट्रकों में और पैदल चलकर पार्क के 761 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वल्चरों को ढूंढने की कवायद की। शोधकर्ताओं का आकलन था कि, पार्क में 29-36 हुडेड वल्चर, 25-73 वाइट बैक्ड वल्चर तथा केवल 3 या 4 वाइट हैडेड वल्चर होंगे। तथापि, खोज में उन्हें हुडेड वल्चर के 6 घोंसले, वाइट बैक्ड वल्चर के 10 घोंसले और वाइट हैडेड वल्चर का 1 घोंसला मिला। हालांकि, शोधकर्ताओं को अफ्रीका की चौथी, गंभीर रुप से संकटग्रस्त प्रजाति, रुपैल्स वल्चर नज़र नहीं आई, लेकिन, उनका कहना है कि, सूखे के मौसम में यह प्रजाति कभी कभार ही पार्क में आती होगी, जैसा कि, अन्य वैज्ञानिकों द्वारा ली गई तस्वीरों में सामने आया है।

तीसरी बार संसद का चुनाव लड़ने से पूर्व मोदी अपनी छवि में परिवर्तन के प्रयास में?

इस प्रयास का प्रथम संकेत है, जिस प्रकार के टिकट बांटे हैं उन्होंने इस बार

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। प्रधानमंत्री मोदी, जो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के प्रयास में लगे हैं, अपनी छवि परिवर्तन करना चाहते हैं, और इसके लिए उन्होंने अपने लिए ''स्टेट्समैन'' की भूमिका चुनी है।

एक रोचक घटनाक्रम में, मोदी ने प्रत्याशियों की जारी हुई पहली लिस्ट में कुछ ऐसे वर्तमान सांसदों के टिकट काटे हैं, जो मुसलमानों के संदर्भ में असमाजिक, अपमानजनक तथा अभद्र भाषा का प्रयोग करते थे। इस प्रयोग के तहत, दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी और पश्चिम दिल्ली के परवेश वर्मा को टिकट नहीं दिया गया है, जिन्होंने पूर्व में मुसलमानों के संदर्भ में कठोर शब्दों का प्रयोग किया है।

भोपाल से साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को भी इसी कारण टिकट से वंचित रखा गया है और उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कुछ वर्तमान सांसदों पर भी यह बात लागू होती है। कई अन्य राज्यों में अभी टिकटों की घोषणा होनी बाकी है। कठोर भाषा का प्रयोग वाले कई सांसदों ने सोचा था कि, अल्पसंख्यकों के लिए भद्दी भाषा का उपयोग करने से मोदी की निगाह में उनकी स्थिति मजबूत होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। मीनाक्षी लेखी सहित दिल्ली के अधिकतर वर्तमान सांसदों को बदलने के निर्णय से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि, जमीनी स्तर से जो फीडबैक मिल रहा है वो उतना अच्छा नहीं है, जैसा कि भारी जीत का वातावरण पैदा करने के लिए भाजपा 400 सीट का नारा दे रही है।

- **उन सांसदों को उम्मीदवार नहीं बनाया गया है, जो मुसलमानों के लिये अभद्र व गाली गलोच की भाषा का प्रयोग करते थे।**
- **इस प्रयोग के तहत दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी, भोपाल से प्रज्ञा ठाकुर तथा उत्तर प्रदेश व राजस्थान में कई वर्तमान सांसदों को टिकट नहीं देने का निर्णय हुआ है।**
- **अब तक, सांसद व टिकटार्थी मानते थे कि, अल्पसंख्यकों के लिए भद्दी भाषा का उपयोग करने से मोदी के निगाह में उनकी स्थिति मजबूत होगी, पर हो रहा कुछ उल्टा ही है।**
- **दूसरे शब्दों में टिकट वितरण में टिकटार्थी की छवि भी गहराई से आंकी जा रही है। इसी कारण कुश्ती संघ के महारथी नेता ब्रजभूषण सिंह का नाम प्रथम सूची में नहीं है तथा बंगाल में एक उम्मीदवार का नाम वापस लिया गया, उनके महिला विरोधी सोच व आचरण के कारण।**
- **इसी प्रकार पहली बार केरल व यू.पी. में एक मुसलमान को टिकट दिया गया है।**

इसी कारण कुश्ती संघ के महारथी नेता बृजभूषण सिंह का पहली लिस्ट में नाम नहीं है, इससे यह बात साफ नज़र आती है कि, टिकट वितरण में मोदी उम्मीदवार की छवि पर गहराई से ध्यान दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल से एक सांसद का नाम तब वापस ले लिया गया जब उनके महिला विरोधी सोच व आचरण की खबरें सामने आईं और यह बात भी सामने आई कि, वो बहुत नापसंद किए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलोर में बम विस्फोट ने भाजपा को तुष्टीकरण के नारे को दोहराने का मौका दिया

-लक्ष्मण वेंकट कूची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। लोकसभा के आम चुनावों से पहले भाजपा कड़े प्रयास कर रही है, कांग्रेस को एक ऐसी अल्पसंख्यक मित्र पार्टी दर्शाने के लिये, जो अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण में लिप्त रहती है। ना केवल हाल ही में बंगलोर के एक लोकप्रिय कैफे में हुए बम विस्फोट का कारण, कांग्रेस प्रशासन में कमज़ोरी बताया जा रहा है, बल्कि भाजपा ने आरोपों की बौछार कर दी है, अल्पसंख्यक समुदाय को विलेन के रुप में पेश करने के लिये और कांग्रेस को आरोपों में लपेटा गया है, क्योंकि इस पार्टी के अल्पसंख्यकों से विशेष सम्बंध रहते हैं।

बम विस्फोट भाजपा तथा इसके संगठनों के बहुत काम आया, जो पहले ही, कुछ दिन पूर्व विधानसभा परिसर के बाहर हुई ''पाकिस्तान जिन्दाबाद'' की कथित नारेबाजी को जनता में मुद्दा बनाने में जुटी थी। संयोग की बात है कि, घटना दिखाने का दावा करने वाला विडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा भाजपा ने नारेबाजी के लिये कांग्रेस समर्थकों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी।

इस बीच पुलिस ने 27 फरवरी को विधानसभा के बाहर नारेबाजी के सम्बंध में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है तथा कर्नाटक सरकार ने कहा है कि वह सरकारी लैब से फॉरैन्सिक रिपोर्ट आने की प्रतीक्षा कर रही है।

भाजपा एक निजी लैब रिपोर्ट का उल्लेख कर रही है, जिसमें यह राय व्यक्त की गयी बताते हैं कि, विडियो सही नजर आता है, तथा विडियो में नारे वाकई लगाये गये थे, इसलिये उपयुक्त कार्यवाही की मांग जायज है।

दूसरी ओर सरकार धीरे चल रही है और वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि विश्वसनीय सरकारी फॉरैन्सिक लैब की रिपोर्ट आ जाये बजाय प्राइवेट लैब रिपोर्ट पर निर्भर होने के, जैसा कर्नाटक का विपक्ष इस समय कर रहा है। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वरा ने यह घोषणा की है कि, गृह विभाग की फॉरैन्सिक रिपोर्ट आने के बाद ही कथित दोषियों पर कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा के आरोप, कि सरकार इस मुद्दे को दबाने का प्रयास कर रही है, का स्पष्टतया खंडन करते हुए मंत्री ने कहा, ''भाजपा के, प्राइवेट संस्था की रिपोर्ट के दावे पर कार्यवाही नहीं की जा सकती। सरकार की एफ.एस.एल. रिपोर्ट आयेगी तथा हम गृह विभाग की फॉरैन्सिक रिपोर्ट पर कार्यवाही करेंगे। छुपाने की कोई बात नहीं है, हम रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाही करेंगे।'' गृह मंत्री ने प्राइवेट लैब ''क्लू 4'' के सबूत की विश्वसनीयता पर सवाल उठाये। परमेश्वरा ने कहा, ''वो प्राइवेट फर्म कौन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा ने बम विस्फोट को कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रेम व तुष्टीकरण की नीति का परिणाम बताया।**
- **भाजपा अपने इस आरोप के समर्थन में यह भी गिना रही है कि, कर्नाटक के विधानसभा परिसर में कांग्रेस समर्थकों ने ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' के नारे भी लगाये थे, जब कांग्रेस के नेता नसीर हुसैन राज्यसभा चुनाव जीते थे, मतगणना के बाद।**

मायावती इण्डिया गठबंधन में प्रधानमंत्री पद का चेहरा होंगी?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। अटकलें तेज हैं कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की सहमति के बाद इंडिया गठबंधन (इंडियन नैशनल डवलपमैंटल इन्क्लूसिव अलायंस) में बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **समझा जाता है कि, राहुल गांधी के समझाने पर अखिलेश मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल करने के लिए सहमत हो गए हैं और सोनिया 9 मार्च को मायावती को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित कर सकती हैं।**

लालू यादव का मोदी पर कटाक्ष उल्टा पड़ा

लालू ने कहा, मोदी राम मंदिर बनाने का ढिंढोरा पीटते हैं पर वास्तव में वे हिन्दू ही नहीं हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए उन्हें एक ऐसा व्यक्ति बताया, जिसका कोई परिवार नहीं है और जो सच्चा हिन्दू नहीं है। लालू की इस टिप्पणी से भाजपा और विपक्ष के बीच विवाद छिड़ गया है।

लालू यादव की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के आदिलाबाद में आज कहा कि ''मैं उनकी वंशवादी राजनीति पर सवाल उठाता हूँ और वे कहते हैं कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मेरा जीवन एक खुली किताब है। मैं मेरे देश के लिए जीऊंगा।'' भाजपा ने लालू प्रसाद यादव की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज सोशल मीडिया पर ''मोदी का परिवार'' अभियान शुरू किया। अमित शाह और जे.पी. नड्डा सहित पार्टी के नेताओं ने प्रधानमंत्री के प्रति अपना समर्थन प्रदर्शित करते हुए अपने सोशल मीडिया हैण्डिल्स पर ''मैं हूँ मोदी का परिवार'' वाक्य और जोड़ दिया।पटना में रविवार को जन विश्वास महारैली को संबोधित करते हुए यादव ने दावा किया कि प्रधानमंत्री सच्चे हिन्दू नहीं है क्योंकि जब उनकी मां का स्वर्गवास हुआ था तब उन्होंने अपना सिर नहीं मुंडवाया था।'' यादव ने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **लालू का तर्क था कि, हिन्दू अपने मां-बाप के निधन पर अपना सिर मुंडवाते हैं, पर मोदी ने हाल में अपनी मां का देहान्त होने पर इस हिन्दू परम्परा व धर्म की अनुपालना नहीं की।**
- **भाजपा नेता व सोशल मीडिया टीम ने भारी पलटवार किया और हल्ला मचा दिया सोशल मीडिया में कि, पूरा देश मोदी का परिवार है।**

तमिलनाडु में बढ़ रही है भाजपा की लोकप्रियता : मोदी

चेन्नई, 04 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि, तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है साथ ही सत्तारूढ़ द्रमुक पर कटाक्ष किया और लोगों को आश्वासन दिया कि उसके द्वारा लूटा गया पैसा वसूल किया जाएगा तथा राज्य की जनता के लिए खर्च किया जाएगा। श्रोताओं की भीड़ द्वारा 'मोदी-मोदी' के नारों के बीच मोदी ने कहा, यह मोदी की गारंटी है।

मोदी ने झामुमो रिश्वतखोरी मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का भी स्वागत किया और कहा कि इससे स्वच्छ राजनीति को बढ़ावा मिलेगा। माननीय शीर्ष न्यायालय का एक महान निर्णय जो स्वच्छ राजनीति सुनिश्चित करेगा और तंत्र में लोगों का विश्वास गहरा करेगा। लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार शाम यहां वाईएमसीए नंदनम मैदान में भाजपा के 'थमराई मनादु' (कमल सम्मेलन) को संबोधित करते हुए मोदी ने सत्तारूढ़ द्रमुक और कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और कहा कि जब भी वह तमिलनाडु का दौरा करते हैं तो कई लोग परेशान हो जाते हैं।

'जम्मू कश्मीर के लोगों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता'

नयी दिल्ली, 04 मार्च। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि कि जम्मू कश्मीर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा, जम्मू कश्मीर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

रामलला का दर्शन कर भावविभोर हुई मध्य प्रदेश सरकार

अयोध्या, 4 मार्च। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के मंत्रिमंडल ने सोमवार को अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान श्रीरामलला का दर्शन पूजन किया। मध्यप्रदेश का 63 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज सुबह महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विशेष विमान से पहुंचा जहां उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री व अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही व संगठन की तरफ से संसाद लल्लू सिंह ने मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश व उनके कैबिनेट मंत्रियों, अधिकारियों को माला पहनाया एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। वहीं सांस्कृतिक मंच के कलाकारों ने उनके स्वागत में लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मध्यप्रदेश से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि हमारा सबका सौभाग्य है, हमने आज श्रीरामलला के दर्शन किये, मध्य प्रदेश और अयोध्या का सम्बंध 2000 साल पुराना है, जब मध्य प्रदेश से सम्राट विक्रमादित्य ने अयोध्या आकर भगवान श्रीरामजन्मभूमि का पुनरुद्धार करवाया था। आज 500 वर्षों बाद फिर से एक अवसर आया है, जब भगवान श्रीरामलला का 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हुई, यह तारीख इतिहास में दर्ज हो गई है। अब अयोध्या अलौकिक नगर के रूप में स्थापित हो गयी है। हमने यहां आकर भगवान श्रीरामलला से आशीर्वाद लिया, जिससे हम गरीबों की सेवा कर सकें।

चुनाव के बाद चुनावी बॉण्ड की जानकारी देगा एस.बी.आई.

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने राजनैतिक दलों के इलैक्टोरल बॉन्ड की जानकारी का ब्यौरा देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और समय सीमा बढ़ाकर 30 जून 2024 करने की अपील की है। सुप्रीम कोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बैंक ने सुप्रीम कोर्ट से इलैक्टोरल बॉण्ड की जानकारी के लिए 30 जून तक का समय मांगा है, तब तक लोकसभा चुनाव नतीजे घोषित होकर नई सरकार भी बन चुकी होगी।**

''भद्रलोक'' की बगावत का संकेत है, न्यायाधीश गांगुली का ''जुडिशिएरी'' तथा तापस राय का तृणमूल से इस्तीफा?

न्यायाधीश ने जज के पद से इस्तीफा देते हुए कहा, हम मौर्य साम्राज्य की चर्चा सुनते थे और अब हमारे बच्चे चोरों के साम्राज्य की बातें सुनेंगे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। कलकत्ता हाई कोर्ट के एक निवर्तमान जज अभिषेक गंगोपाध्याय के इस्तीफा देने के बाद बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य एकाएक बदल गया है। गंगोपाध्याय ने घोषणा की है कि वह राजनीति में आएंगे। पद से इस्तीफा देने और राजनीति में शामिल होने की घोषणा के साथ ही जस्टिस गंगोपाध्याय ने एक दिलचस्प टिप्पणी की, ''हमने प्राचीन भारत के इतिहास में मौर्य साम्राज्य के बारे में पढ़ा है। अब हम चौर्य (चोरों के) साम्राज्य के चश्मदीद गवाह बन रहे हैं।

संक्षेप में यह बंगाल की राजनीति के बैरिस्टोक्रेसी से चोर तंत्र का संक्रमण काल है। इस घोषणा ने बंगाल को स्पष्ट रूप से वहां ला खड़ा किया है, जैसा कि वह 1950 के दशक में था। स्वतंत्रता आंदोलन ने जब अपने शुरुआती रूझान दिए थे तब बंगाल की राजनीति को ''बैरिस्टोक्रेसी'' के रूप में जाना जाता था। फिर एक समय ऐसा आया जब जमींदार वर्ग के कुलीनों, शिक्षित और कानून के जाने-माने विद्वानों ने राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेना शुरु किया। वामपंथियों के उत्थान से पहले राजनीति के सभी बड़े नाम कुलीन सामाजिक पृष्ठभूमि और सुस्थापित परिवारों से थे। यह एक तरीके की परम्परागत विधारधारा थी जिसमें हर कोई एक दूसरे को और उनके परिवारों को जानता था।

इस शानदार सूची में से कुछ नाम हैं- वोमेश चन्द्र बनर्जी, रोमेश चन्द्र दत्त, चितरंजन दास, अरविंद घोष और यहां तक कि रविन्द्रनाथ टैगोर, बिपिन चन्द्र पाल और बाद में सुभाष चन्द्र बोस। इसलिए यह एक सहज चयन था कि स्वतंत्र बंगाल के पहले मुख्यमंत्री प्रसिद्ध चिकित्सक बिधान चन्द्र रॉय बने। यहां तक कि वामपंथी आंदोलन के शीर्ष नेताओं की पृष्ठभूमि भी ऐसी ही थी। उसमें समृद्ध परिवारों के वंशज, कानूनी पेशे के स्थापित लोग या जमींदार परिवार से ताल्लुक रखने वाले लोग अग्रिम मोर्चे पर थे।

इनमें से अधिकांश इंग्लैंड में पढ़े हुए थे। यहां वे हैरल्ड लास्की और रजनी पामे दत्त जैसे के विचारकों से प्रभावित हुए। हीरेन मुखर्जी, सोमनाथ चटर्जी, मोहित सेन, इंद्रजीत गुप्त, स्नेहाणु (बैरिस्टर) आदि कुछ नाम हैं जो कैम्ब्रिज में पढ़े थे। इन्हीं में मानवेन्द्रनाथ रॉय का नाम भी है जिन्हें वामपंथी आंदोलन के लिए दुनियाभर में सम्मानित किया गया था। इसका एक फायदा यह हुआ कि राजनीति में आने वाले ये नेता असल में अपने राजनैतिक सम्पर्कों स ''लूट'' की कोशिश में नहीं जुटे थे। इनमें से किसी ने भी राजनीति से अनाप-शनाप पैसा नहीं कमाया था। यही नहीं ऐसे उदाहरण भी मिलते हैं जब गड़बड़ी की जानकारी मिलने पर ये नेता अपनी ही पार्टी के खिलाफ हो जाते थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **तापस राय तृणमूल के प्रारंभिक दिनों से पार्टी से जुड़े हुए थे, पर, अब पार्टी में पनप रही चोरी-चकारी, गुंडागर्दी, हिंसा ने इस ''हार्ड कोर'' समर्थक की अन्तरआत्मा को हिला दिया तथा उनका पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा आया।**
- **आज़ादी के बाद, बंगाल की राजनीति में ''बैरिस्टर युग'' था। इंग्लैण्ड में लॉ पढ़े, संभ्रांत, जमींदारी पृष्ठभूमि के युवा राजनीति में छाये हुए थे, कांग्रेस पार्टी हो या वामपंथी दल।**

'15 जून तक मुख्यालय खाली करे आम आदमी पार्टी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) को सोमवार को एक बड़ा झटका देते हुए आदेश दिया कि वह 15 जून तक कोर्ट परिसर विस्तार के लिए आवंटित जगह से अपने दिल्ली मुख्यालय को खाली कर दे। इस समय आम आदमी पार्टी का मुख्यालय दिल्ली हाई कोर्ट के विस्तार हेतु आवंटित परियोजना भूमि पर है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **सुप्रीम कोर्ट ने आदेश इसलिए दिया है, क्योंकि, आप मुख्यालय उस भूखंड पर है, जो दिल्ली हाई कोर्ट को आवंटित किया गया है।**